



# मुख्यमंत्री ने 'शक्ति के पर्व' पर की मां की आराधना

## गोशाला की व्यवस्थाओं को देखा, गायों को खिलाया गुड़ व चारा, बच्चों से भी मिले, मंदिर में आये बच्चों को दी चॉकलेट

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ/बलरामपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह मां पाटेश्वरी के दर्शन-पूजन किए। दो दिवसीय बलरामपुर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री ने बृहदावर को समीक्षा बैठक की, फिर मेडिकल कॉलेज व निर्माणाधीन विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया था। इसके बाद गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देवीपाटन शक्तिपीठ पहुंचे। शारदीय नवरात्रि में गुरुवार की सुबह उन्होंने मां के चरणों में शीश छुकाकर अपनी द्वादश निवेदित की।

मुख्यमंत्री ने जगतजननी मां भगवती से सुखी-स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की। उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भगवती विश्वास्थ व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देवीपाटन शक्तिपीठ पहुंचे। शारदीय नवरात्रि में गुरुवार की सुबह उन्होंने मां के चरणों में शीश छुकाकर अपनी द्वादश निवेदित की।

मुख्यमंत्री ने जगतजननी मां भगवती से सुखी-स्वस्थ व समृद्ध उत्तर प्रदेश की कामना की। उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भगवती विश्वास्थ व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ देवीपाटन शक्तिपीठ पहुंचे। शारदीय नवरात्रि में गुरुवार की सुबह उन्होंने मां के चरणों में शीश छुकाकर अपनी द्वादश निवेदित की।

मुख्यमंत्री ने गोशाला भी गणे। यहाँ उन्होंने सभी गायों को गुड़ व चारा खिलाया। सीएम ने नाम लेकर गायों को पुकारा, तो वे भी गोरक्षपीठाधीश्वर के पास दौड़ते चली आईं। सीएम ने गो सेवा करते हुए गोशाला की व्यवस्था को भी देखा।



दर्शन-पूजन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर का भी भ्रमण किया। यहाँ आए दर्शनार्थियों ने मुख्यमंत्री का



दर्शनार्थियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी भ्रमण किया। यहाँ आए दर्शनार्थियों ने मुख्यमंत्री का

केंद्र सरकार से मिला तोहफा राज्य में विकास व कल्याण की पहल को देगा गति: सीएम योगी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। केंद्र सरकार ने गुरुवार को राज्यों को 1,78,173 करोड़ रुपये का गंदा हस्तांतरण (टैक्स डिवाल्यून) दिया है। कर हस्तांतरण में सर्वाधिक राशि (31,962 करोड़) उत्तर प्रदेश को जारी की गई है।

यह राशि त्योहारों से पहले राज्यों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में सहायक होगी। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नंदेंद मोरी के प्रति आधार जादूयाँ हैं। सीएम योगी ने गत अंग्रेजी के तैयारियों को काफी बढ़ावा और राज्य भर में विकास व कल्याण की पहल को गति देगी। हम सभी मिलकर मजबूत व समृद्ध उत्तर प्रदेश का निर्माण कर रहे हैं।

आदित्यनाथ ने हाथ हिलाकर सभी का अधिवादन किया। हर्दीं मंदिर में आये नहे-मुनो के मुख्यमंत्री ने चॉकलेट भी दिया। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई आदि की भी जानकारी ली। सीएम योगी ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ने का मंत्र भी दिया। मुख्यमंत्री मंदिर में थारू जनजाति छात्रावास के बच्चों से भी मिले। उनकी शिक्षा, खानपान, रहने आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान मंदिर के महंत हमारे त्योहारों के मौसम की तैयारियों को बढ़ावा और राज्य भर में विकास व कल्याण की पहल को गति देगी। हम सभी मिलकर मजबूत व समृद्ध उत्तर प्रदेश का निर्माण कर रहे हैं।

**सीएम व सपा प्रमुख ने दी रतन टाटा को श्रद्धांजलि**





संक्षेप  
बिना प्रशिक्षण के नहीं बनेगा  
आवेदक का लाइसेन्स

लखनऊमपर -खीरी।

ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बनाना शुरू कर दिया है। लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है। गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय में आ० आ० पंकज सोनी ने वाहन चलाकर के लिए प्रशिक्षणार्थीयों का कार्यालय में प्रशिक्षण लिया। आर० आ० पंकज सोनी ने सख्त निर्देश दिये कि आवेदक के अलावा कोई अनाधिकृत व्यक्ति कार्यालय में प्रवेश नहीं करेगा। अनाधिकृत व्यक्ति के प्रवेश करने पर कार्यालयीं की जायेगी। पंकज सोनी आर० आ० पंकज ने लाइसेन्स आवेदकों से बाहन चलाकर प्रशिक्षण लिया। पंकज सोनी ने बताया कि आवेदकों पर हाफले परिवहन विभाग की साइट पर जाकर अनलाइन करना होता है। साइट पर तारीख मिलने पर आवेदक कार्यालय में आकर वाहन चलाकर प्रशिक्षण प्राप्त करें। प्रशिक्षण में पास होने पर लाइसेन्स परिवहन विभाग द्वारा आवेदक को घर भेजा जाता है।

मेला मंच पर हुआ सीता हरण बालि वध का मंचन



गोला गोकर्णनाथ, खीरी। (वीओएल) श्री रामलीला महोत्सव के आठवें दिन मिला मंच पर सीता हरण शरीरी प्रसंग और बालिवध का मंचन किया गया। जिसे देखकर दर्शक भावुक हो गए। शहर में हो रही रामलीला महोत्सव के द्वारा नेतृत्व में सांकृतिक मंच पर कार्यक्रम के आठवें दिन कलाकारों ने सीता हरण प्रसंग और वध का मंचन किया। सीता हरण और बालिवध के उत्तराधिकारी ने बताया कि वेटियों का जारी नहीं होता है।

तिकुनिया-खीरी। मिनी सचिवालय में संपन्न हुए मिशन शक्ति कार्यक्रम में पुलिस ने महिलाओं का अधिकारी को गुण बताए हैं। पुलिस ने बताया कि वेटियों की जाने जरूरत पड़ते पर संविधान में बालिवध के उत्तराधिकारी ने बताया कि वेटियों की महिलाओं को गुण बताए हैं।

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। (वीओएल) श्री रामलीला महोत्सव के आठवें दिन मिला मंच पर सीता हरण शरीरी प्रसंग और बालिवध का मंचन किया गया। जिसे देखकर दर्शक भावुक हो गए। शहर में हो रही रामलीला महोत्सव के द्वारा नेतृत्व में सांकृतिक मंच पर कार्यक्रम के आठवें दिन कलाकारों ने सीता हरण प्रसंग और वध का मंचन किया। सीता हरण और बालिवध के उत्तराधिकारी ने बताया कि वेटियों का जारी नहीं होता है।

हवन पूजन पूर्ण आहुति के साथ यज्ञ का समापन

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। (वीओएल) मां मंगला देवी मंदिर में चलो हो रही यज्ञ और देवी भागवत कथा का बहन पूजन पूर्ण आहुति के साथ समाप्त हो गया। शरदीय नववरात्रि शुरू होते ही मां मंगला देवी भागवत कथा के साथ ही देवी भागवत कथा की अधिकारी ने छात्राओं को सुक्ष्म एवं संरक्षण के बारे में एक व्यक्ति यात्रा कार्यक्रम किया गया। कथा वास के सरी संनन दूसरे शुक्रवार ने देवी भागवत कथा के द्वारा न तमाम प्रसंग सुना कर श्रीराम को स्वेच्छा देवी भागवत कथा के लिए नामांकन दिया। इसका उद्देश्य महिलाओं और बचियों को सक्षमता और सख्ती देना है।

11 संचालक पदों के लिए दाखिल हुए 23 नामांकन सहकारी समिति चुनाव : कड़ी सुरक्षा के बीच हुए नामांकन

गोला गोकर्णनाथ, खीरी। (वीओएल) सहकारी गन्ना विकास समिति में भारी गह माहमी, हांगामा और कड़ी सुरक्षा के बीच गई संचालक पदों के लिए नामांकन हुआ। इस दौरान 11 संचालक पदों के लिए 23 उम्मीदवारोंने नामांकन पत्र दाखिल किए।

गुरुवार को नामांकन पत्रों की बिक्री की ही शुरू हुई। नामांकन को लेकर सहकारी गन्ना विकास समिति में भारी गह माहमी, हांगामा और जाम करने का समय 10 बजे से चार बजे का था। निर्वाचन समय पर पहुंचे संचालक पद के लिए उम्मीदवार अपने क्षेत्र के कार्डों पर निर्वाचन पत्रों की बिक्री का इंतजार करते रहे।

गुरुवार को नामांकन पत्रों की बिक्री की ही शुरू हुई। नामांकन पत्रों की बिक्री का इंतजार करते रहे।

इस दौरान प्रभारी निर्वाचक चंद्रशेखर सिंह, हैदरबाद एसएचओ शिवाजी दुबे सहित कई थानों की फोर्स मौजूद रही।

# कन्या-पूजन मातृ-शक्ति की आराधना का प्रतीक : प्रभारी मंत्री

जिला प्रशासन ने रचा इतिहास, 1100 कन्याओं का एक साथ पूजन



लखनऊमपर

खीरी। जिला

प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना

प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ० कार्यालय के अधिकारियों ने सख्ती के साथ प्रशिक्षणार्थीयों का लाइसेन्स बना प्रशिक्षण के जारी नहीं किया जा रहा है।

गुरुवार को ए० आर०टी० आ





संक्षेप  
गजा समिति के  
चुनाव में प्रत्याशियों  
ने किया नामांकन

सीतापुर। महोली सहकारी गन्ना समिति निवाचन प्रक्रिया गुरुवार को समिति प्रांगण में डायरेक्टर नामांकन चुनाव अधिकारी की देखेंखें में संपन्न हुई। जिसमें क्षेत्रवार 11 डायरेक्टर पद हेतु नामांकन दरिखाल हुए। जबकि यहां पर 10 डायरेक्टर होना है। बताते चले कि नेरी कलासे दो डायरेक्टर पद के प्रत्याशियोंने पर्याप्त दाखिल किया है।

जिसमें कृष्ण पाल और प्रकाश शामिल हैं। वही 10 डायरेक्टर निवाचित होना तथा माना जा रहा है। इस दोनों महोली कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार मिश्र पुलिस बल के साथ मौजूद हैं।

निवाचन प्रक्रिया पूरी होने के बाद पहुंच क्षेत्रीय विधायक शासक त्रिवेदी ने कहा की पूरे प्रदेश में महोली सहकारी गन्ना समिति का चुनाव निवाचित आयोजित किया गया है। इसमें सासान की मशा के अनुसार ही कारंवाई की गई है।



## गठबंधन में धमासान

स

माजावादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री

अधिकारी शादव ने कांग्रेस के साथ गठबंधन बन रहे का बयान देकर इंडिया गठबंधन और कांग्रेस नेतृत्व को फैरी

राहत जरूर दी है, लेकिन जिस तरह हारियाणा विधानसभा

चुनाव परिणाम आने के बाद इंडिया एलायंस के घटक दल कांग्रेस पर

टूट गये हैं, तो उसे गठबंधन की कमज़ोरियाँ एक बार फिर समझे आ

हरियाणा में कांग्रेस जरूर सरकार बनाने में सफल नहीं हुई है

लेकिन पिर भी उक्त कांग्रेस पर प्रतिशत भी बढ़ा है, विधायकों की संख्या

भी बढ़ी है और जम्मू-कश्मीर में इंडिया एलायंस के ही घटक दल

नेशनल कांग्रेस के साथ गठबंधन में जम्मू-कश्मीर का चुनाव भी

जीता है। ऐसे में यह समझ से परे है कि आखिर क्यों छोटे-छोटे घटक

दल जिनका हारियाणा में एक भी सीट पर जमानत बचाने की स्थिति भी

नहीं है, वे भी राज्य में सरकार न बना पाने के लिए कांग्रेस को कांग्रेस पर

हैं। दरअसल जिस तरह आम आदमी पार्टी, शिवसेना, दीपसी आदि

ने हारियाणा चुनाव के बाद कोगेर के लिए निर्वाचित भी चुनाव लाया दी

है, उसे लगता है कि इंडिया एलायंस के घटक दल कांग्रेस को दबाव

में लाना चाहता है ताकि भविष्य में संभावित गठबंधन में कांग्रेस से

बेहतर डील हासिल कर सके। वैये भी राजनीति में कोई किसी का

स्थायी तौर पर न दोस्त होता है और न ही दुष्प्राप्त। ऐसे में अगर इंडिया

एलायंस के घटक दलों को कांग्रेस से बेहतर डील नहीं मिलेंगी, तो

दूसरे गठबंधन में जाने से यह फिर नया गठबंधन खड़ा करेंगे में कोई

गुरज नहीं करेंगे। पूर्व की घटानाएं भी यही कहती हैं। इंडिया गठबंधन

के सूखधारी नीतिशुल्क कुमार जिहोने मोदी को रोकने के लिए राज्य-दर-

राज्य दौरे करके इंडिया गठबंधन को बनाने में सर्वाधिक योगदान दिया

था, वे खुद गोपीनाथ का उम्मीदवार नहीं बनाये जाने पर एनडीए में चले

गये। इंडिया का संयोगकर और पीएम उम्मीदवार नहीं बनने से उन्हें इस

गठबंधन में कूल मिलाकर इंडिया गठबंधन में

कई ऐसे दल हैं, जो पूर्व में एनडीए के साथ रह चुके हैं। नेशनल

कांग्रेस, डीएमेक, शिवसेना यूटीटी सहित कई अन्य दल बीजेपी के

साथ रह रहे हैं। कांग्रेस अगर हारियाणा का चुनाव जीत जाती तो आगामी

चार महीनों में तीन राज्यों में होने वाले चुनावों में न सिर्फ आसानी से

गठबंधन हो जाता बल्कि उसका जोश भी ऊर्जावांकों के असमान पर

होता। लेकिन महाराष्ट्र, दिल्ली और झारखण्ड में चुनावों से पहले

हारियाणा की हार से न सिर्फ कांग्रेस को गहरा सदमा लाया है बल्कि

अब उसके राजनीतिक साथी भी अखिल दिया रहा है। शिवसेना

यूटीटी हारियाणा में हार पर न सिर्फ कांग्रेस पर टोन कर सही ही है बल्कि

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिवसेना यूटीटी प्रभुवत उद्घव ठाकरे

को महाविकास अधारी का सीएम चेहरा बनाने का दबाव भी डाल रहा है। गैरतलब है कि महाविकास अधारी के प्रभुवत घटक एनडीपी

और कांग्रेस ने फहले ही योग्याना कर दी है कि महाराष्ट्र विधानसभा के

चुनाव में किसी भी जीत का योग्य चेहरा बनाये जायेगा। कांग्रेस

इंडिया-इशारों में कह रही है कि चुनाव के बाद किस तरह आम आदमी

को उत्तराधीन नहीं की। कुल मिलाकर इंडिया

गठबंधन में अब कांग्रेस की स्थिति कमज़ोर हुई है और घटक दल इस

आपदा को अपने लिए अवसर बनाने में जुट गये हैं।

## दुर्लभ औद्योगिक विचारधारा थे रतन टाटा

मुं

वई में सुबह के समय एक महिला स्कूटर से अपने बच्चे का स्कूल छोड़ने के लिए जा रही थीं। जिनका तेज बारिश होने लगा। मां बेटा भी गिरे लगे। संयोग से उधर से रात टाटा अपनी कार में बैठे हुए निकल रहे थे। उन्होंने इस मंज़र को देखा। उन्हें दुख दुख हुआ। तभी उनके मां आयीं, जो इतनी सस्ती हैं कि उन्हें आम आदमी भी खरीद सकते हैं। रतन टाटा एसे ही सबैन जीत ले रही हैं। तभी उनके बच्चे ने एक छोटी वस्त्र दिया। उन्होंने आपने व्यापार के साथ बारिश के बाद कोर्ट दल कांग्रेस को दबाव में लाना चाहता है। ताकि इंडिया एलायंस के घटक दल कांग्रेस को दबाव में लाना चाहता है। ताकि इंडिया एलायंस के ही घटक दल नेशनल कांग्रेस के साथ गठबंधन में जम्मू-कश्मीर का चुनाव भी जीता है। ऐसे में यह समझ से परे है कि आखिर क्यों छोटे-छोटे घटक दल जिनका हारियाणा में एक भी सीट पर जमानत बचाने की स्थिति भी नहीं है, वे भी राज्य में सरकार न बना पाने के लिए कांग्रेस को कांग्रेस पर हैं। दरअसल जिस तरह आम आदमी पार्टी, शिवसेना, दीपसी आदि

डॉ. अनिता राठोर

अपने कार्यकाल के दौरान रतन टाटा ने भारत-केंद्रित टाटा समूह को ग्लोबल बिज़नेस बनाने के लिए टेटली, जैगुआर लैंड रोवर व कोरस को खोरीदा। रतन टाटा जबरदस्त निवेशक भी थे और उन्होंने 30 से अधिक स्टार्ट-अप्स में निवेश किया, अधिकतर व्यक्तिगत तौर पर और कुछ अपनी कंपनी के जरिये।

सामाजिक सरोकारों से गहरा जुड़ाव टाटा ग्रुप की पंपं परा रही है। इसे रतन टाटा ने आगे बढ़ाया और शिवसेना यूटीटी सहित कई अन्य दल बीजेपी के साथ रह रहे हैं। कांग्रेस अगर हारियाणा का चुनाव जीत जाती तो आगामी चार महीनों में तीन राज्यों में होने वाले चुनावों में न सिर्फ आसानी से गठबंधन हो जाता बल्कि उसका जोश भी ऊर्जावांकों के असमान पर होता। लेकिन महाराष्ट्र, दिल्ली और झारखण्ड में चुनावों से पहले हारियाणा की हार से न सिर्फ कांग्रेस को गहरा सदमा लाया है बल्कि

उनका हारियाणा में भी अखिल दिया रहा है। शिवसेना

यूटीटी हारियाणा में हार पर न सिर्फ कांग्रेस को हार दिया रहा है। उनका हारियाणा का संयोगकर और पीएम उम्मीदवार नहीं की जीत जाने पर एनडीए में चले गये। इंडिया का संयोगकर और पीएम उम्मीदवार नहीं बनने से उन्हें इस गठबंधन में कूल मिलाकर इंडिया गठबंधन में कई ऐसे दल हैं, जो पूर्व में एनडीए के साथ रह चुके हैं। नेशनल

कांग्रेस, डीएमेक, शिवसेना यूटीटी सहित कई अन्य दल बीजेपी के

साथ रह रहे हैं। कांग्रेस अगर हारियाणा का चुनाव जीत जाती तो आगामी

चार महीनों में तीन राज्यों में होने वाले चुनावों में न सिर्फ आसानी से

गठबंधन हो जाता बल्कि उसका जोश भी ऊर्जावांकों के असमान पर

होता। लेकिन महाराष्ट्र, दिल्ली और झारखण्ड में चुनावों से पहले हारियाणा की हार से न सिर्फ कांग्रेस को गहरा सदमा लाया है बल्कि

उनका हारियाणा में भी अखिल दिया रहा है। शिवसेना

यूटीटी हारियाणा में हार पर न सिर्फ कांग्रेस को हार दिया रहा है। उनका हारियाणा का संयोगकर और पीएम उम्मीदवार नहीं की जीत जाने पर एनडीए में चले गये। इंडिया का संयोगकर और पीएम उम्मीदवार नहीं बनने से उन्हें इस गठबंधन में कूल मिलाकर इंडिया गठबंधन में कई ऐसे दल हैं, जो पूर्व में एनडीए के साथ रह चुके हैं। नेशनल

कांग्रेस, डीएमेक, शिवसेना यूटीटी सहित कई अन्य दल बीजेपी के

साथ रह रहे हैं। कांग्रेस अगर हारियाणा का चुनाव जीत जाती तो आगामी

चार महीनों में तीन राज्यों में होने वाले चुनावों में न सिर्फ आसानी से

गठबंधन हो जाता बल्कि उसका जोश भी ऊर्जावांकों के असमान पर

होता। लेकिन महाराष्ट्र, दिल्ली और झारखण्ड में चुनावों से पहले हारियाणा की हार से न सिर्फ कांग्रेस को गहरा सदमा लाया है बल्कि

उनका हारियाणा में भी अखिल दिया रहा है। शिवसेना

यूटीटी हारियाणा में हार पर न सिर्फ कांग्रेस को हार दिया रहा है। उनका हारियाणा का संयोगकर और पीएम उम्मीदवार नहीं की जीत जाने पर एनडीए में चले गये। इंडिया का संयोगकर और पीएम उम्मीदवार नहीं बनने से उन्हें इस गठबंधन में कूल मिलाकर इंडिया गठबंधन में कई ऐसे दल हैं, जो पूर्व में एनडीए के साथ रह चुके हैं। नेशनल

कां

संक्षेप

**हिंसक जानवर की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत**

मिल्कीपुर-अयोध्या। बन रेंज कुमारगंग ज़ंक्शन के मर्स्टेंग गेनेशगुरु गांव के पास चार दिन पूर्व किसी जंगली जानवर ने नील गाय के बच्चे पर हमला कर मार दिया था। जिसकी सचिना ग्रामीणोंने स्थानीय वन विभाग की दर्दे हुए क्षेत्र में हिंसक जानवर आने की बात कही थी। जानकारी ने कहा कि वाद उपराषागीन वनवासिकारी के पास मुझे बदल वन विभाग की टीम के साथ केशवपुर चिलबिली पहुंच कर जिस स्थान पर जंगली जानवर ने नील गाय के बच्चे पर हमला कर मार दिया था। निरीक्षण करने के बाद कुमारगंग ज़ंक्शन अधिकारी आर पी श्रीवास्तव को पिंजरा लगाने का आदेश दिया था। ताकि अगर हिंसक जानवर को तो से पास पिंजरा लगा तो दिया लैकिन पांच दिन बाद भी कोई जानवर पिंजड़े में नहीं आया। डिटी रेंजर मनोज कुमार सिंह मर्स्टेंग गेनेशगुरु और केशवपुर चिलबिली पहुंच कर ग्रामीणों से हिंसक जंगली जानवर के बारे में पूछा तो ग्रामीणोंने बताया कि कहीं पर कुछ नहीं दिखाई दिया। मर्स्टेंग जानवर ने जहां पर पिंजरा लगा है वहाँ सियार ही आरहे हैं। और कोई जानवर नहीं दिखाई पड़ रहा है।

# आध्यात्मिक अयोध्या को 'आयुष्मान अयोध्या' भी बना रही योगी सरकार

विशेष संवाददाता

**लखनऊ/अयोध्या।** योगी सरकार आध्यात्मिक अयोध्या को 'आयुष्मान अयोध्या' भी बना रही है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में रामनगरी स्वास्थ्य क्षेत्र में भी दिनोदिन समृद्ध हो

तक यह बनकर तैयार हो जाएगा। यहाँ एक ही क्षेत्र के नीचे सारी अल्पाधुनिक सुविधाएं मिल जाएंगी। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के शुरू होते ही वहाँ के विकास कार्यों का खाका खींचा जाने लगा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

- सीएम योगी के निर्देश पर स्वास्थ्य क्षेत्र में भी समृद्ध हो रही रामनगरी
- घटना-दुर्घटना में विपरीत परिस्थिति आने पर अब लखनऊ पर आश्रित नहीं रहनी अयोध्या
- राजस्व दरारथ में डिक्टेल कॉलेज कैंपस में 33 करोड़ से अधिक की लागत से बन रहा 110 बेड का ट्रोमा सेंटर
- मर्स्टेंग बनकर हो जायेगा तेवार, एक ही छत के नीचे मिलेंगी सभी सुविधाएं

रही है। घटना-दुर्घटना में विपरीत परिस्थिति आने पर अयोध्या को अब लखनऊ पर आश्रित नहीं रहना होगा, बल्कि सभी सुविधाएं वहाँ मिल जाएंगी। गंभीर संघीय मरीजों को बढ़ाने का लिए इसके बाहर एक राजस्व दरारथ में डिक्टेल कॉलेज में 110 बेड के ट्रोमा सेंटर के प्रोजेक्ट पर काम न सिर्फ़ शुरू करा दिया गया, बल्कि अधिक









# Sportsला इन...

## रणजी ट्रॉफी : शीर्ष 60 खिलाड़ियों के बिना होगा आधा सत्र, अत्यर व ईशान पर नजरें



नवीदिल्ली। रणजी ट्रॉफी का 90वां सत्र शुक्रवार से शुरू होगा तो सैकड़ों खिलाड़ी

अपने अपने लक्ष्य लेकर मैदान पर उतरेंगे जहां ब्रेयर अध्ययन अपने अंतर्राष्ट्रीय कैरियर को हैं पर लाना चाहेंगे तो ईशान किशन की नजरें अपने बारे में लोगों की धारणा बदलने पर लगी होंगी। आईपीएल के दोनों सिरोंगों को नियम देकर भारतीय किंटेक्ट बोर्ड ने सख्त संदेश दिया था कि आईपीएल नीलामी में हाथियाथ विकेट वालों को भी दिस्ट्रीब्यू चयनकर्ता ने को किंटेक्ट को नीचे रखा है। अध्ययन ने भारतीय टीम का हिस्सा बनने से पहले 2015-16 रणजी सत्र में 1321 रन बनाये थे। उनके प्राप्त की घटी प्रारंभिकता

के बीच अध्ययनकर्ता के एसे दोराहे पर खड़े हैं जहां चयनकर्ताओं का ध्यान उन पर से हटते देर नहीं लगती। वहीं ईशान ने झारखड़ को कापाना स्वीकार करके चयनकर्ताओं को संकेत दे रहा है।

रणजी ट्रॉफी में देश के शीर्ष 17-18 खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे जो 16 अक्टूबर से सात जनवरी के बीच आठ टेस्ट मैच खेलेंगे। वहीं अगले 18 एक ही दौर में खेल सकेंगे जिसके बाद वे आस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली भारत ए टीम का हिस्सा होंगे। वहीं अगले 15 दक्षिण अफ्रीका में चार मैचों की

टी20 श्रृंखला के कारण उपलब्ध नहीं होंगे। इसके बाद के 15 मस्टक में इमर्जिंग एशिया कप ट्रॉफी में खेल खड़े हैं। भारतीय टेस्ट टीम का फलसफा पिछले कुछ सालों में काफी बदल है और अब बात सिक्के रसों वा विकेटों की नहीं है। एक पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता ने कहा है कि अगर अस्याया किंटेक्ट ने भारत के लिये खुल चुका होता है तो उनके साथ में 500 रन ही बनाता है लेकिन उसमें हीरी भी परिचय पर पहले ही तो उसका नाम भारत ए टीम के

लिये चयनकर्ताओं को सूची में जस्तर होगा। उन्होंने कहा, इसी तरह अगर एक तेज गेंदबाज बल्लेबाजों की मददगार पिच पर विकेट ले रहा है तो वह ध्यान खींचता है।

यह हालात के अनुरूप ढलने और अपने कम्पर्ट्ज जोन से बाहर निकलने की बात है। टीमों की बात करें तो मुंबई पर नहीं होंगी जिसका पास अंजियर रहाणे, पृथ्वी साव, ब्रेयर अध्ययन जैसे खिलाड़ी हैं। सरकार खान भारतीय टीम के साथ होने के कारण नहीं खेलेंगे तो उनके छोटे भाई मुरीरी चोटिल की बख्ती पाता है कि आस्ट्रेलिया में उनकी की बात है। और अपने कम्पर्ट्ज जोन से बाहर निकलने की बात है।

## इंग्लैंड ने रिकॉर्ड बुक में जोड़े नये अध्याय

एजेंसी



मूलताना टेस्ट किंटेक्ट का 2553वां मैच रिकॉर्डबुक में हमेशा अपना विशेष स्थान बनाए रखेंगे कोई इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे मैच में अपनी पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर समाप्त घोषित करके कुछ छल नहीं रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी।

श्रीलंका ने तब टेस्ट किंटेक्ट में सर्वोच्च स्कोर के इंग्लैंड के रिकॉर्ड को तोड़ा था जिसने 1938 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पारी सात विकेट पर 903 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट किंटेक्ट में सर्वाधिक सर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एल्स्ट्रेटर्य कुक को शीर्ष पर काबिज रिकॉर्ड श्रीलंका की चाँचा बड़ा स्कोर भी है रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी।

श्रीलंका ने अधिक सर एक बल्लेबाज को तोड़ा था जिसने 1938 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पारी सात विकेट पर 903 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट किंटेक्ट में सर्वाधिक सर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एल्स्ट्रेटर्य कुक को शीर्ष पर काबिज रिकॉर्ड श्रीलंका की चाँचा बड़ा स्कोर भी है रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी।

श्रीलंका ने अधिक सर एक बल्लेबाज को तोड़ा था जिसने 1938 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पारी सात विकेट पर 903 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट किंटेक्ट में सर्वाधिक सर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एल्स्ट्रेटर्य कुक को शीर्ष पर काबिज रिकॉर्ड श्रीलंका की चाँचा बड़ा स्कोर भी है रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट किंटेक्ट में सर्वाधिक सर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एल्स्ट्रेटर्य कुक को शीर्ष पर काबिज रिकॉर्ड श्रीलंका की चाँचा बड़ा स्कोर भी है रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट किंटेक्ट में सर्वाधिक सर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एल्स्ट्रेटर्य कुक को शीर्ष पर काबिज रिकॉर्ड श्रीलंका की चाँचा बड़ा स्कोर भी है रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट किंटेक्ट में सर्वाधिक सर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एल्स्ट्रेटर्य कुक को शीर्ष पर काबिज रिकॉर्ड श्रीलंका की चाँचा बड़ा स्कोर भी है रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट किंटेक्ट में सर्वाधिक सर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एल्स्ट्रेटर्य कुक को शीर्ष पर काबिज रिकॉर्ड श्रीलंका की चाँचा बड़ा स्कोर भी है रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट किंटेक्ट में सर्वाधिक सर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एल्स्ट्रेटर्य कुक को शीर्ष पर काबिज रिकॉर्ड श्रीलंका की चाँचा बड़ा स्कोर भी है रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट किंटेक्ट में सर्वाधिक सर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एल्स्ट्रेटर्य कुक को शीर्ष पर काबिज रिकॉर्ड श्रीलंका की चाँचा बड़ा स्कोर भी है रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट किंटेक्ट में सर्वाधिक सर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एल्स्ट्रेटर्य कुक को शीर्ष पर काबिज रिकॉर्ड श्रीलंका की चाँचा बड़ा स्कोर भी है रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट किंटेक्ट में सर्वाधिक सर बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एल्स्ट्रेटर्य कुक को शीर्ष पर काबिज रिकॉर्ड श्रीलंका की चाँचा बड़ा स्कोर भी है रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छल पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। इंग्लैंड ने इसमें पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रुट ने 262 सर भारत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस द

